पूर्वोत्तर के लिए सम्पर्कता

अनछुआ स्वर्ग माना जाने वाला पूर्वोत्तर भारत सौम्य पर्वतों, हरियाली से सराबोर एक ऐसा क्षेत्र है जिसका शुमार छुट्टियों के लिए भारत के मनपसंद पर्यटक स्थलों में है। पूर्वोत्तर भारत की मनोहर भूमि पूरे विश्व में अत्याधिक समृद्ध पर्यावरण हितैषी स्थलों में शामिल है। प्राकृतिक विपुलता से सजी धजी यह एकाकी एवं रहस्यमय भूमि अभी बाहरी दुनिया से अछूती ही है।

पूर्वोत्तर के 9 आकर्षणों में असम के चाय बागान, एक सींग वाला गैंडा, लोकप्रिय बिहु उत्सव, नागालैंड जनजाति, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, सिक्किम में पर्वतारोहण, पाक विधि, अत्याकर्षक कंचनजंगा तथा तवांग के मठ शामिल हैं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र की लगभग 2000 किलोमीटर की सीमाएं भूटान, चीन, म्यांनमार तथा बांग्लादेश से सटी हुई हैं तथा शेष भारत से यहां तक संकीर्ण 20 किलोमीटर चौड़े कॉरीडोर से पहुंचा जा सकता है । यह एशिया का सर्वाधिक परम्पराओं एवं भाषाओं की विविधता वाला एक ऐसा क्षेत्र है जिसके प्रत्येक राज्य की स्वयं अपनी परम्पराएं और अपनी संस्कृति है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में सात राज्य हैं जिन्हें सामान्यत: “सात बहनों” के नाम से जाना जाता है। इन राज्यों के नाम हैं अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड तथा त्रिपुरा ।

भ्रमण के लिए मनोहर पहाड़ियों तथा पेड़ पौधों और वनस्पतियों से समृद्ध हरित क्षेत्र से सजा धजा प्रत्येक राज्य अपने आप में स्वर्ग है। इसके अलावा, इन राज्यों में मछली पकड़ने, नौकायन, बेड़ा चालन, पर्वतारोहण तथा पदयात्रा के ढेरों आकर्षण उपलब्ध हैं। इसके साथ साथ यहां अनेक वन्य जीव अभ्यारण्य तथा राष्ट्रीय उद्यान हैं जहां दुर्लभ पशु, पक्षी एवं वनस्पतियां पाई जाती हैं ।

इस भूखंड की विलासिता, सामुदायिक एवं भौगोलिक तथा पर्यावरिणक विविधता ने पूर्वोत्तर क्षेत्र को इस उपमहाद्वीप के अन्य भागों से कुछ अलग स्वरूप प्रदान किया है। सर्दियों के मौसम में इसकी घाटियों में कुहासा छा जाता है परन्तु गर्मियों के वर्षा काल के दौरान यात्रियों की भरमार हो जाती है। इस क्षेत्र की

सीमाएं म्यांमार, भूटान तथा बांग्लादेश से जुड़ी हुई हैं।

भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में मनाए जाने वाले त्यौहारों की छठा यहां के लोगों तथा उनके जीवन की रंगमय छवि दर्शाती है। पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न विधियों से विभिन्न लोगों द्वारा पूर्ण उल्लास के साथ त्यौहार मनाए जाते हैं।

पवन हंस सेवाएं

पवन हंस द्वारा अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, त्रिपुरा, सिक्किम, मिजोरम की राज्य सरकारों तथा गृह मंत्रालय, गुवाहाटी को हैलीकॉप्टर सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। कम्पनी द्वारा इन राज्यों में सेवाओं के लिए डॉफिन एन, एमआई-172, बेल 206एल4, बेल 407 तथा डॉफिन एन3 हैलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं ।